राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,12 मई2020 वर्ष–2, अंक –69 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जाधव के मामले में आईसीजे के फैसले का पूरी तरह पालन कियाः पाकिस्तान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने कहा है कि कुलभूषण जाधव मामले में उसने आईसीजे के फैसले का 'पूरी तरह पालन' किया है। कुछ दिनों पहले इस मामले में भारत के वकील ने कहा था कि नई दिल्ली को उम्मीद थी कि वह मौत की सजा प्राप्त कुलभूषण जाधव को रिहा कराने के लिए इस्लामाबाद को 'अनौपचारिक माध्यम' से मना लेंगे। उल्लेखनीय है कि भारतीय नौसेना के 49 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने अप्रैल 2017 में 'जासूसी और आतंकवाद' के आरोपों में मौत की सजा सुनाई थी। कुछ हफ्ते बाद भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच देने से इनकार करने और उनकी मौत की सजा को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में चुनौती दी थी।

हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में जाधव मामले में भारत के मुख्य वकील हरीश साल्वे थे। आईसीजे ने पिछले वर्ष जुलाई में फैसला दिया कि पाकिस्तान को जाधव की सजा पर 'प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार' करना चाहिए और अविलंब राजनयिक पहुंच मुहैया करानी चाहिए।

साल्वे ने 3 मई को लंदन से ऑनलाइन बात करते हुए कहा, 'हमें उम्मीद थी कि हम अनौपचारिक माध्यम से पाकिस्तान को उन्हें छोड़ने के लिए मना लेंगे।

अगर वे मानवीय आधार या कुछ और आधार पर कहना चाहते हैं तो हम उनकी वापसी चाहते हैं। हमने कहा उन्हें छोड़ दिया जाए क्योंकि यह पाकिस्तान में अहं का बड़ा कारण बन गया है। इसलिए हमें उम्मीद थी कि वे उन्हें जाने देंगे लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा।

साल्वे की टिप्पणी पर जवाब देते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता आईशा फारूकी ने कहा जाधव मामले में भारत के वकील के बयानों पर इस्लामाबाद ने गौर किया है। उन्होंने कहा साल्वे ने वापस

आईसीजे का दरवाजा खटखटाने की बात कहकर कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो मामले के तथ्यों के विपरीत हैं। फारूकी ने कहा हम भारत के वकील के निराधार और असत्य कथन को पूरी तरह खारिज करते हैं कि पाकिस्तान ने मामले में आईसीजे के फैसले का पालन नहीं किया है।

पाकिस्तान ने पूरी तरह आईसीजे के फैसले का पालन किया है और मामला जैसे–जैसे आगे बढ़ेगा, वह उसी तरह से पालन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जाधव को भारतीय राजनयिक पहुंच की मंजूरी दी और आईसीजे के फैसले के अनुरूप प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार के उपायों की प्रक्रिया कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा जिम्मेदार देश होने के नाते पाकिस्तान सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा यह बेहद दुखद है कि साल्वे ने ऐसे बयान दिए हैं, जो असत्य हैं और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

तेज चलने वालों की मृत्युदर में 24 फीसदी की कमी

–शोध के नतीजों से चलता है पता

सिडनी (ईएमएस)। शोधकर्ताओं की माने तो अगर आप लंबी उम्र और सेहतमंद रहना चाहते हैं तो तेज गति से चलना शुरू करें। इससे दिल संबंधी बीमारियों से मृत्यु का खतरा कम होता है। औसत गति से चलने से दिल संबंधी बीमारियों की मृत्युदर में 21 फीसदी की कमी आती है और तेज गति से चलने वालों की मृत्युदर में 24 फीसदी की कमी देखी गई है। शोध के नतीजों से पता चलता है कि धीरे–धीरे चलने की तुलना में औसत गति से चलने से सभी तरह की मृत्युदर में 20 फीसदी की कमी आती है, जबकि तेज गति से चलने से 24 फीसदी की कमी आती है। सिडनी विश्वविद्यालय के चार्ल्स परकिंस सेंटर व स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर एमानुएल स्टामाटेकिस ने कहा कि नतीजों पर सेक्स या बॉडी मास इंडेक्स का प्रभाव नहीं दिखता है, औसत या तेज गति से चलना सभी तरह के मृत्युदर के खतरे को खास तौर से कम करता है। उन्होंने कहा कि तेज गति आमतौर पर 5 से 7 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, लेकिन यह वास्तव में चलने वाले की फिटनेस स्तर पर निर्भर करता है। हालांकि, ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि तेजी से चलने से कैंसर की मृत्युदर पर असर पड़ता है।

दोस्त ज्यादा हों तो दिमाग पर उम्र का असर होता है देर से

–दिमाग सुरक्षित रहने के साथ जीवन में होता है सुधार

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। एक नए शोध में खुलासा हुआ है कि ज्यादा दोस्त होने और सामाजिक दायरा बढ़ने से दिमाग पर उम्र का असर देर से होता है, दिमाग सुरक्षित रहता है और जीवन स्तर में सुधार होता है। अध्ययनकर्ताओं की माने तो यादों, भावनाओं और प्रेरणाओं को महसूस करने वाला दिमाग का हिस्सा स्पष्ट रूप से उम्र के साथ प्रभावित होता है। लोगों के दिमाग के इस हिस्से में सामाजिक संबंध संरक्षित रहते हैं। अमेरिका के कोलंबस में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में 'न्यूरोलॉजिकल इंस्टिट्यूट' की मुख्य शोधकर्ता एलिजाबेथ किर्बी ने कहा, 'हमारे शोध में खुलासा हुआ कि सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्ति के दिमाग पर उम्र का प्रभाव पड़ता है।'

शोध के तहत शोधकर्ताओं के दल ने 15–18 महीने के चूहों के दो समूह बनाकर तीन महीनों तक अध्ययन किया जब उनकी प्राकृतिक स्मरण शक्ति में गिरावट आने लगती है। चूहों को एक खिलौना पहचानने का शोध कर उनकी स्मरण शक्ति परखी गई। शोध के परिणामों के अनुसार समूह में रहने वाले चूहों की स्मरण क्षमता बेहतर थी। किर्बी ने कहा, 'जहां अकेले साथी के साथ रहने वाले चूहे यह पहचानने में असफल रहे कि किसी वस्तु को हटाया गया है, वहीं समूह में रहने वाले चूहों ने बेहतरीन परिणाम दिए। वे दूसरी जगह रखे गए पुराने खिलौने के पास गए और अपने स्थान पर रखे गए दूसरे खिलौने को उन्होंने नजरंदाज कर दिया।'

70 हजार के पार हुए कोरोनावायरस संक्रमित, इनमें से 23 हजार से अधिक महाराष्ट्र में

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस का संक्रमण सारे देश में अब तेजी से फैल रहा है। सोमवार को रात 10 बजे तक कोरोना वायरस संक्रमण के 3,540 नए मामले सामने आने के साथ ही पीड़ितों की संख्या बढ़कर 70,717 हो गई। इनमें से 2,291 लोगों की मौत हो चुकी है। इस प्रकार मरने वालों की संख्या 3.23: है। अब तक 22,406 मरीज ठीक हो चुके हैं अर्थात देश में रिकवरी रेट 31.68: है।

कोरोनावायरस से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सोमवार को 1230 नए मामले सामने आए और 36 लोगों की मौत हो गई। अकेले महाराष्ट्र में 23,401 कोरोनावायरस संक्रमित हैं, इनमें से 868 की मौत हो चुकी है, जबकि 4786 ठीक हो चुके हैं। इस प्रकार अकेले महाराष्ट्र में देश के 33.09: कोरोनावायरस संक्रमित हैं। इनमें से मायानगरी मुंबई में ही 14,521 संक्रमित हैं। गुजरात, तमिलनाडु और दिल्ली में भी संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इन तीनों राज्यों में कुल मिलाकर 23,777 कोरोनावायरस संक्रमित मरीज हैं। इस तरह इन तीन राज्यों में देश के कुल संक्रमित मरीजों में से 33.62: मरीज पाए गए हैं। तीनों राज्यों में से गुजरात में 513, तमिलनाडु में 53 और दिल्ली में 73 मरीजों की मृत्यु हुई है। वहीं राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश प्रदेश में कुल मिलाकर 11,298 कोरोनावायरस संक्रमित मरीज सोमवार तक मिले हैं। इस प्रकार इन राज्यों में देश के 15.97: मरीज हैं। आंकड़ों पर गौर किया जाए तो कुल 7 राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में ही देश के 84.68: कोरोनावायरस संक्रमित हैं।

देश के बाकी राज्यों में कुल मिलाकर 15.32: संक्रमित ही हैं। इन राज्यों अथवा केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या 26 है। इनमें पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, पंजाब और तेलंगाना जैसे राज्य भी शामिल है जहां पर कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों की संख्या कुल मिलाकर 7233 है। इस प्रकार देखा जाए तो शीर्ष 11 राज्यों को छोड़कर देश के बाकी राज्यों में कोरोनावायरस का प्रकोप अब उतना नहीं है। इन 11 राज्यों में भी बहुत से राज्यों में कोरोना वायरस नियंत्रित हो रहा है। लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और

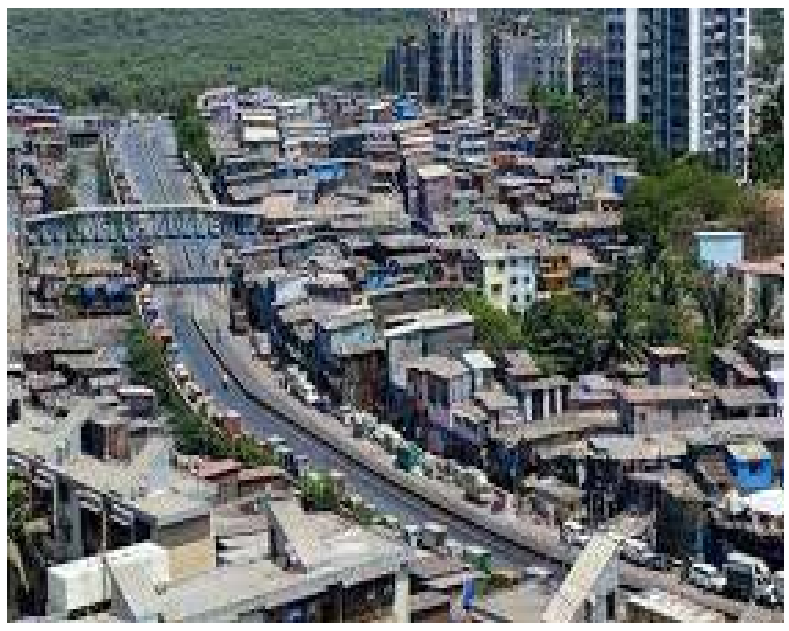

दिल्ली में इसका फैलाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए सरकार को अब इन चार राज्यों को ध्यान में रखते हुए नई रणनीति पर काम करना होगा।

अच्छी बात यह है कि कुछ राज्यों में रि. कवरी रेट बहुत अच्छा है। सारे देश के आंकड़े देखें तो 500 से ऊपर संक्रमित मरीजों की संख्या वाले राज्यों में से केरल में कोरोना वायरस का रिकवरी रेट सबसे अच्छा देखने में आया है। सरकार धीरे–धीरे बहुत से क्षेत्रों में ढील दे रही है। लेकिन इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि जो क्षेत्र पहले हॉटस्पॉट नहीं थे वह भी हॉटस्पॉट बन सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मजदूरों के पलायन और उसके बाद के हालात पर गंभीरता से नजर रखने की आवश्यकता है।

श्रम कानूनों में बदलाव के खिलाफ इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन जाने की तैयारी में सीटू

नई दिल्ली (ईएमएस)। लॉकडाउन से पैदा हुई आर्थिक चुनौतियों के बीच कुछ राज्यों ने श्रम कानूनों में बदलाव किए हैं, उनका विरोध भी किया जा रहा है। विरोधी दलों के अलावा ट्रेन यूनियंस भी श्रम कानून पर सरकारों के रुख से खुश नहीं हैं। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र यानी सीटू भी इन फैसलों के खिलाफ उतर आया है। कोरोना महामारी झेल रहे देश में मजदूरों की दयनीय हालत के बीच लेबर लॉ में हुए बदलाव पर सीटू ने नाराजगी जाहिर की है। सीटू ने कहा है कि वहां यूपी और मध्य प्रदेश सरकार के फैसलों की शिकायत इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन यानी आईएलओ में करेगा। सीटू ने मजदूरों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ बताकर इन फैसलों के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

गौरतलब है कि लॉकडाउन के कारण पूरे देश में उद्योग–धंधे बंद हैं। तीसरा चरण आते–आते रेड जोन छोड़कर दूसरे इलाकों में छूट दी गई है। इसी बीच बीजेपी शासित राज्य सरकारों ने लेबर लॉ में बदलाव कर दिए हैं। कुछ बदलाव कामगारों के खिलाफ भी बताये जा रहे हैं। इनमें उद्योगों को सुविधानुसार शिफ्ट में काम कराने से लेकर ओवरटाइम तक

International Labour Organization

की छूट दी गई है। ट्रेड यूनियनों को मान्यता देने वाला कानून भी खत्म कर दिया है। इन्हीं तमाम बिंदुओं का आधार बनाकर श्रम कानून में बदलाव की आलोचना की जा रही है।

सरकारों का तर्क जहां इन बदलावों से चौपट पड़े उद्योग धंधों में जान फूंकने का है, वहीं विपक्ष सहित ट्रेड यूनियन मानवाधिकारों का हनन बता रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस पर सख्त नाराजगी जता चुके है। राहुल ने कहा है कि कोरोना के खिलाफ सब मिलकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन यह मानवाधिकारों को रौंदने, असुरक्षित कार्यस्थलों की अनुमति, श्रमिकों के शोषण और उनकी आवाज दबाने का बहाना नहीं हो सकता है।

बता दें कि यूपी में कुछ श्रम कानूनों को कुछ वक्त के लिए निलंबित किया गया है, जबकि मध्यप्रदेश में कारखानों में शिफ्ट को आठ घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे करने का फैसला लिया गया है। इन दोनों राज्यों के अलावा ओडिशा सरकार ने भी कुछ बदलाव किए हैं।

कांग्रेस का आरोप, कोरोना की आड़ में मजदूरों का शोषण कर रही बीजेपी सरकारें

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना और लॉक. डाउन पर कांग्रेस ने एक बार फिर बीजेपी सरकारों पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि कोरोना की आड़ में लोगों का शोषण किया जा रहा है। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात की भाजपा सरकारों ने श्रम कानूनों को निरस्त किया। यह मजदूरों के अधिकारों पर बड़ा प्रहार है। कांग्रेस नेता गोहिल ने कहा, इस वक्त पर हम राजनीति नहीं कर रहे हैं, विपक्ष के तौर पर सरकार का विरोध नहीं करने का फैसला लिया था, लेकिन कई जगह पानी हद से बाहर बह रहा है। कहीं पर कुछ बीजेपी के लोग श्रमिकों से पैसे ले रहे हैं। आज हमारे श्रमिकों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गोहिल ने आरोप लगाया,जब पूरा देश कोविड–19 की महामारी से जूझ रहा है,तब पहले से ही मुसीबतों के बोझ तले दबे गरीब मजदूरों व श्रमिकों को राहत देने की बजाए बीजेपी सरकारें कोरोना की आड़ में उन्हें उनके ही अधिकारों से वंचित कर रही हैं। गोहिल ने कहा, यूपी, गुजरात और एमपी की राज्य

सरकारें विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए उन्हें रेड कार्पेट ट्रीटमेंट देने की शुरुआत कर रही हैं, लेकिन यह श्रमिकों के अधिकारों का बलिदान देकर नहीं किया जा सकता। शर्म की बात है कि 'सूट–बूट की सरकार ने अपनी स्वाभाविक प्रकृति और प्राथमिकताएं एक बार फिर साफ कर दीं।

गोहिल ने कहा कि हम केंद्र से मांग करते हैं कि वहां इन कानूनों को निरस्त करने के लिए अपनी अनुमति न दें, जिनसे मजदूरों के अधिकार उनसे छीन लिए जाएंगे और उनकी आजीविका पर बुरा असर पड़ेगा। साथ ही श्रमिकों के खिलाफ यह कठोर कदम उठाने से पहले ट्रेड यूनियंस से भी परामर्श लिया जाएं।

काबुल में एक के बाद एक चार बम धमाके, चार लोग घायल

काबुल (ईएमएस)। उत्तरी काबुल में सोमवार को चार बम विस्फोट में एक बच्ची समेत चार लोग घायल हो गए। अफगान अधिकारियों के अनुसार एक बम कूड़ेदान के नीचे और तीन अन्य सड़क किनारे रखे गए थे। काबुल पुलिस के प्रवक्ता फरदौस फरमर्ज ने बताया कि सड़क किनारे 10–20 मीटर की दूरी पर बमों को रखा गया था। उन्होंने कहा कि विस्फोट में 12 साल की बच्ची समेत चार लोग घायल हुए हैं और पुलिस घटना स्थल की जांच कर रही है। अब तक किसी ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। विस्फोट के निशाने पर कौन था यह पता नहीं चल पाया है। काबुल और उसके आसपास तालिबान और इस्लामिक स्टेट दोनों गुट सक्रिय हैं जो लगातार नागरिकों और फौजियों को अपना निशाना बनाते रहे हैं।

कोरोना संक्रमण से कुवैत में 62 साल के भारतीय डॉक्टर की मौत

दुबई (ईएमएस)। कुवैत में कोरोना वायरस संक्रमण से भारत के एक दंत चिकित्सक की मौत हो गई है। वह देश के ऐसे दूसरे स्वास्थ्य कर्मी हैं जिनकी मौत कोरोना वायरस से संक्रमित होने से हुई है। 54 वर्षीय डॉक्टर वासुदेव राव की मौत शनिवार को जाबेर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। डा. राव पिछले 15 साल से कुवैत में रह रहे थे और कुवैत की एक तेल कंपनी में दंत चिकित्सक के रूप में सेवा दे रहे थे। राव कुवैत में भारतीय दंत चिकित्सक पेशेवरों के संगठन इंडियन डेंटिस्ट अलायंस के सदस्य भी थे। संगठन ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है।

अससो पहले शुक्रवार को मिस्र के ईएनटी विशेषज्ञ तारेक हुसैन मोकेमीर की मौत संक्रमण की वजह से हो गई। वह 62 साल के थे। रविवार को वंदे भारत अभियान के तहत कुवैत में फंसे 171 भारतीय नागरिकों को चेन्नई लाया गया है। कुवैत में कोरोना वायरस संक्रमण से 58 लोगों की मौत हो चुकी है और 8,688 लोग संक्रमित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों ने खोजी कोरोना वायरस को मनुष्य के शरीर में ही सामप्त कर देने वाली एंटीबॉडी

लंदन (ईएमएस)। जानलेवा कोरोना वायरस से मुक्ति दिलाने के लिए चिकित्सा वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता सतत प्रयासरत हैं। इस समय 100 से अधिक वैक्सीन पर कार्य जारी है। कुछ शोधकर्ता कोरोना वायरस को हर पहलू से समझने में लगे हैं ताकि वैक्सीन बनाने या इलाज ढूंढने में मदद हो सके तो कुछ इंसान के शरीर की संक्रमण के खिलाफ प्रतिक्रिया को समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में कुछ वैज्ञानिकों ने एक ऐसी एंटीबॉडी की खोज की है जो कोरोना वायरस के शरीर में पहुंचने के बाद संक्रमण को फैलने से पूरी तरह रोक देती है। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि एंटीबॉडी 47डी11 कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन को जकड़कर उन्हें तोड़ देती है। इससे वायरस इंसान के शरीर में संक्रमण नहीं फैला पाता है। वै. ज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना वायरस अपनी इन्हीं स्पाइक प्रोटीन के जरिये मानव शरीर की कोशिकाओं के साथ बांडिंग बनाकर अपनी संख्या में इजाफा करता है और फिर इंसान को बीमार कर देता है।

एंटीबॉडी की खोज करने वाली यूरोपीय शोधकर्ताओं की टीम ने चूहों पर किए प्रयोग में पता लगाया कि उनकी कोशिकाओं (रेट सैल्स) में ये खास 47डी11 एंटीबॉडी होती है, जो कोरोना वायरस के प्रोटीन को पकड़कर पूरी तरह ब्लॉक कर देती है। इससे वायरस खत्म हो जाता है और चूहों में संक्रमण नहीं फैल पाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये नई जानकारी संक्रमितों के इलाज में जुटे डॉक्टरों और इलाज ढूंढ रहे वैज्ञानिकों के लिए काफी मददगार होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने लैब में अलग–अलग कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन को चूहे की कोशिकाओं में पहुंचाया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने चूहों में कोरोना वायरस परिवार के सार्स–कोवी2, सार्स और मर्स को चूहों में डाला था। इनमें सिर्फ एंटीबॉडी 47डी11 ही संक्रमण को रोकने में सफल थी। वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस को हराने वाली चूहे की 51 एंटीबॉडीज अलग की हैं। वैज्ञानिकों ने चूहों से मिली इस एंटीबॉडी को इंसानों के लायक बनाया। साइंस की एक पत्रिका की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बाद इस एंटीबॉडी का परीक्षण सार्स कोरोना वायरस पर किया गया, जिसे इसने निष्क्रिय कर दिया। वैज्ञानिकों का दावा है कि कोविड–19 भी सार्स के परिवार का वायरस है। इसलिए यह एंटीबॉडी उसे भी कमजोर कर खत्म करने में सफल होगी। वैज्ञानिकों की इस टीम के प्रमुख यूट्रेच यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर बेरेंड जेन बॉश के मुताबिक, एंटीबॉडी 47डी11 कोरोना वायरस की उस लेयर पर हमला करती है, जिसका इस्तेमाल वायरस इंसानी कोशिकाओं से चिपकने के लिए करता है। उनका कहना है कि मान लीजिए ये एंटीबॉडी इंसानी शरीर में कोरोना वायरस को फैलने नहीं भी रोक पाती है तो भी संक्रमण फैलने का वक्त ज्यादा लगना तय है। बता दें कि कोरोना वायरस के चारों तरफ ऐस–2 नाम के प्रोटीन की कंटीली परत होती है। ये एंटीबॉडी वायरस के स्पाइक प्रोटीन पर हमला कर उनसे चिपक जाती हैं। इससे वायरस या तो मारा जाता है या शरीर की कोशिकाओं पर अपनी पूरी क्षमता के साथ हमला नहीं कर पाता है।

पुलिस के बाद पाक फ़ौज में भी कोरोना संक्रमण, मेजर की मौत

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में पुलिस के बाद फ़ौज में भी कोरोना संक्रमण फैल गया है। कोरोना वायरस की वजह से देश की फौज में एक अधिकारी की पहली मौत का मामला सामने आया है। तोरखम बॉर्डर पर तैनात पाक फौज में सेना के मेजर मुहम्मद असगर की मृत्यु हो गई है। इससे पहले देश में पुलिस कर्मियों में भी कोरोना का संक्रमण तेजी से फैलने की खबर सामने आई थी। खबर के मुताबिक पाकिस्तान में कोरोनो वायरस के 30,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। हालांकि पाकिस्तानी सशस्त्र बलों में कितने लोग इस महामारी से प्रभावित हुए हैं, इस बारे में अभी तक पाकिस्तान सेना के जनसंपर्क विभाग द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जो लाशों पर भी अपनी 'औक़ात' दिखाना नहीं भूलते ...

पिछले दिनों लगातार दो दिन भारतीय सिने जगत से ऐसे दुःखद समाचार प्राप्त हुए जिन्होंने फ़िल्म जगत सहित पूरे देश को झिंझोड़ कर रख दिया। 29 अप्रैल को मात्र 54 वर्ष के मशहूर हरदिल अज़ीज़ अभिनेता इरफ़ान ख़ान इस दुनिया को अलविदा कह गए वहीं अगले ही दिन 30 अप्रैल को प्रातः 8:45 बजे 67 वर्षीय प्रसिद्ध अभिनेता ऋषि कपूर का भी निधन हो गया। इत्तेफ़ाक़ से दोनों ही कलाकार कैंसर जैसे जानलेवा मर्ज़ से पीड़ित थे। इन दोनों में आपसी रिश्ते भी बहुत अच्छे थे। एक और समानता इन दोनों में यह भी थी की दोनों ही अपने अपने धर्म में व्याप्त कई मान्यताओं पर अत्यंत मुखरित होकर अपने विचार रखते थे। इस तरह के विचारों की वजह से इन दोनों ही कलाकारों को कभी कभी अपने अपने समुदाय के लोगों की आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ता था। परन्तु तमाम तरह की अंतर्सामुदायिक आलोचनाओं व अंतर्विरोधों के बावजूद देश की अनेक विशिष्ट हस्तियों व इन दोनों ही कलाकारों के प्रशंसकों ने जिस तरह अपने ग़म का इज़हार किया उससे मरणोपरांत इनकी लोकप्रियता में गोया और भी इज़ाफ़ा हो गया। कहा जा सकता है कि साफ़गोई से अपनी बात रखने वाले कलाकारों की अहमियत का एहसास इनके मरने के बाद हुआ।

अभी इरफ़ान ख़ान की क़ब्र की मिट्टी भी सुखी नहीं थी कि पूवा. ग्रही 'क़लम घिस्सुओं' ने अपने पक्षपात पूर्ण नज़रिये से उनपर क़लम चलानी शुरू कर दी। यही ऋषि कपूर के साथ भी हुआ। उनकी चिता जलने से लेकर चिता की राख ठंडी होने तक में कई ऐसे बेहूदा बयान, विवादित ट्वीट व सोशल मीडिया पोस्ट आनी शुरू हो गयीं जिससे लाशों पर अपनी औक़ात दिखने वाले लोग बेनक़ाब होने लगे। पिछले कुछ वर्षों से लेखन में एक ऐसे महानुभाव सक्रिय हैं जिनको देश के हर घटना में केवल हिन्दू–मूसलिम ही नज़र आता है। कोई घटना अगर हिन्दू–मूसलिम नहीं भी कराती तो भी यह इतने हुनरमंद हैं कि घुमा फिरा कर उसे भी साम्प्रदायिक मोड़ दे देते हैं। यह देश के उन 'क़लम घिस्सुओं' में हैं जो लगभग प्रतिदिन देश के अनेक समाचार पत्रों के विचार/सम्पादकीय पृष्ठ पर छाए रहते हैं।

पिछले दिनों तब्लीग़ी जमाअत के पूर्वाग्रही विरोध का इन महाशय ने कोई कोण खली नहीं छोड़ा। तब्लीग़ी जमाअत को निशाना बनाने वाला इनका एक शीर्षक बड़ा दिलचस्प था कि 'जमाअती हरिद्वार,बृन्दावन, काशी क्यों गए थे'।इस शीर्षक से ही अनायास मेरे मन में यह विचार आया कि अच्छा हुआ कि यह महाशय 15 /16 वीं शताब्दी में 'अवतरित ' नहीं हुए थे अन्यथा ये तो सैयद इब्राहिम ख़ान उर्फ़ रसखान से भी ज़रूर पूछ लेते कि –'मियाँजी तुम्हारा मथुरा वृन्दावन में क्या काम है' ? अन्यथा भगवान कृष्ण से ही पूछ बैठते कि आपने हिन्दू होकर भी एक 'मियाँ' रसखान को दर्शन क्यों दे दिया?

बहरहाल इन्हीं महाशय ने इरफ़ान ख़ान की असामयिक मृत्यु पर अपने लेख के द्वारा जानबूझ कर अपनी भड़ास निकालते हुए मुसलमानों की दाढ़ी टोपी का ज़िक्र कर डाला,मुसलमानों को सीख दे डाली कि इरफ़ान ख़ान,कलाम व अब्दुल हमीद जैसे बनो। दूसरे ख़ान कलाकारों व नसीरउद्दीनशाह तथा एम एफ़ हुसैन को कोस डाला। जबकि इसकी कोई ज़रुरत नहीं थी।फिर भी महाशय लाशों पर भी क़लम से ज़हर उगलने की अपनी 'औक़ात' दिखाना नहीं भूले। इसी तरह जब पूरा देश ऋषि कपूर की मृत्यु पर शोकाकुल था।

राष्ट्रपति,प्रधान मंत्री,गृह मंत्री,तथा वित्त मंत्री जैसे अति विशिष्ट नेताओं द्वारा ऋषि कपूर को श्रद्धांजलि पेश करते हुए बेहतर से बेहतर शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा था । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो उन्हें बहुआयामी व प्रिय के साथ साथ 'प्रतिभा का पावर हाउस तक कह दिया। राष्ट्रपति महोदय ने ऋषि कपूर को सदाबहार पर्सनालिटी वाला ज़िंदादिल अदाकार बताया तो गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें असाधारण अभिनय कौशल रखने वाला अभिनेता बताते हुए उन्हें एक 'संस्था' तक बताया।

परन्तु अफ़सोस की बात यह है कि ठीक उसी समय कुछ अवांछनीय लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर ऐसे बयान भी दिये जा रहे थे जो मानवता विरोधी तथा पूर्णतयः बेबुनियाद व झूठ पर आधारित थे। एक अभद्र ट्वीट में कहा गया कि –ष्अच्छा हुआ मर गया ... (गन्दी गलियां),कश्मीर पाकिस्तान को दान करना चाहता था। ये वही ऋषि है जिसकी भतीजी करीना कपूर है जिसने तैमूर को जन्म दिया है। गाय के मांस का भक्षण किया था तो कैंसर जैसी बीमारी से ... की मौत मरा है। इसी कपूर ने गौमांस (बीफ़) खाने का समर्थन किया था।ष ऐसी ही एक और पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली गयी जिसमें कहा गया कि ष्गौमांस का भक्षण करने वाला ये धर्मद्रोही कैंसर से मर गया। ऐसे धर्मद्रोही ग़द्दारों के मरने पर मुझे कोई दुःख नहीं। ऐसे समस्त धर्मद्रोही ग़द्दारों को शीघ्र नर्क में स्थान प्रदान करेंष्। इस तरह की पोस्ट पर 'सामान विचारवान' लोगों ने जिस तरह की अभद्र व अशोभनीय टिप्पणियां की हैं उन गंदे शब्दों का तो यहां उल्लेख भी नहीं किया जा सकता।

लेकिन लाशों को गाली देने वाले इन 'संस्कारी' लोगों से इतना तो ज़रूर पूछा जाना चाहिए कि अगर गौमांस खाने वालों से इतनी ही नफ़रत है तो जिस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को देश के प्रधानमंत्री अपने हाथों से चाय बनाकर पिला रहे थे उस समय इन 'भक्तों ' ने अपना विरोध क्यों नहीं दर्ज किया ? जब गौमांस खाने वाले राष्ट्रपति ट्रंप का गुजरात सड़कों पर लाखों लोग अभिनन्दन कर ' 'केम छो ट्रंप'' जैसा मेगा शो आयोजित कर रहे थे उस समय ये गौ भक्त कहाँ मुंह छिपाए बैठे थे ? उस समय क्यों नहीं बोले कि भगाओ इन गौ मांस खाने वालों को। तोड़ दो उन बर्तनों को जिसमें इनको चाय पिलाई और खाना खिलाया ? उस समय तो दंडवत की मुद्रा में भीड़ का हिस्सा बने रहते हैं और एक ऐसे सितारे को मरने के बाद अभद्र गलियां देते हैं जिसके करोड़ों समर्थक व प्रेमी देश विदेश में बसे हुए हैं ? ये गुमनाम लोग तब भी हमेशा ख़ामोश रहते हैं जब इन्हीं के समुदाय के लोगों द्वारा बीफ़ का व्यापर किया जाता है।

वैसे भी ऋषि कपूर विवादों के बाद यह स्पष्ट भी कर चुके थे कि उन्होंने बीफ़ खाने के बारे में तो कहा था परन्तु गौमांस खाने के विषय में नहीं कहा। इसके बावजूद मरणोपरांत, संस्कृति के इन ठेकेदारों ने मृतक व्यक्ति को भी गलियां दीं व उसके परिवार के सदस्यों को भी अपमानित किया।

बेशक जो लोग लाशों पर भी अपनी 'औक़ात' दिखाना नहीं भूलते ये उनकी अपनी संस्कृति या उनके व्यक्तिगत संस्कार तो सकते हैं परन्तु यह भारतीय या हिन्दू संस्कृति व संस्कार तो हरगिज़ नहीं हो सकते।

(विचार–मंथन)

चीन की झड़प अनायास नही

चीन और भारत के सैनिकों के बीच सिक्किम के नाकू ला सेक्टर में हिंसक झड़प हुई है। इस झड़प में कई सैनिक घायल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच करीब तीन साल बाद इस इलाके में झड़प हुई है। चीन के सैनिकों की यह हरकत गिलगित और बाल्टिस्तान को लेकर भारत द्वारा उठाए गए कदम के बाद हुई है। इस झड़प में 4 भारतीय सैनिक और 7 चीनी सैनिक घायल हो गए। इस विवाद में 150 सैनिक शामिल थे। गौरतलब है कि भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू–कश्मीर सब–डिविजन को

अब जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित–बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद कहना शुरू कर दिया है। गिलगित–बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, दोनों पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। मंग. लवार को मौसम विभाग ने नॉर्थवेस्ट इंडिया के लिए जो अनुमान जारी किए, उसमें गिलगित–बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद को भी शामिल किया गया। भारत के इस कदम के बाद पाकिस्तान बौखला गया। पाकिस्तान ने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्तावों का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान ने इसे भारत का गैरजिम्मेदाराना कदम बताते हुए गिलगित और बाल्टिस्तान के दावे को सिरे से नकार दिया। दरअसल, भारत ने पहले ही दो टूक कह दिया है कि पाकिस्तान उन इलाकों पर अपना हक ना जताए, जो उसने अवैध तरीकों से और जबरन कब्जा कर लिया है। यह इलाका चीन के लिए भी काफी अहमियत रखता है। चीन के राष्ट्रपति के शी जिनपिंग का सपना है कि चाइना–पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर को जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए। इस कॉरिडोर के बनने पर चीन सीधे अपने माल को जमीन के रास्ते ग्वादर पोर्ट तक पहुंचा देगा। यहां से चीनी माल सीधे अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों में भेजा जाएगा। इससे चीन को दक्षिण पूर्व एशिया के देशों का चक्कर लगाते हुए माल नहीं भेजना होगा।

चीन और पाकिस्तान का यह आर्थिक कॉरिडोर पाक अधिकृत गिलगित–बाल्टिस्तान इलाके से होकर जाता है। भारत लगातार चीन से इस कॉरिडोर को बनाने पर आपत्ति जताता रहा है। चीन लगातार भारत की चिंताओं को अनेदखी करता आ रहा है। इस बीच मंगलवार को भारत ने अपने एक कदम से चीन और पाकिस्तान को साफ–साफ समझा दिया है कि गिलगित–बाल्टिस्तान उसका अभिन्न अंग है। चीन किसी भी कीमत पर अपने आर्थिक कॉरिडोर को पूरा करना चाहता है। हालत यह है कि कोरोना संकट में फंसे पाकिस्तान में इस महामारी के बाद भी बहुत तेजी से चीनी कॉरिडोर पर काम चल रहा है। अपने कॉरिडोर पर संकट आता देख चीन ने सिक्किम में उकसावे की कार्रवाई की है। चीन सिक्किम को अपना क्षेत्र बताता है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से इसको लेकर विवाद है। इससे पहले साल 2017 में दोनों देशों के बीच सिक्किम क्षेत्र में भीषण तनाव देखने को मिला था। तब यह इतना बढ़ा था कि भारत के शीर्ष सैन्य अफसरों ने कई दिनों तक इलाके में कैंपिंग की। चीनी सेना इस इलाके में सड़क निर्माण करने की कोशिश कर रही है। चीन पहले ही सामरिक लिहाज से बेहद अहम माने जाने वाले चुंबी घाटी इलाके में सड़क बना चुका है, जिसे वह और विस्तार देने की कोशिश कर रहा है। यह सड़क भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर या कथित चिकन नेक इलाके से महज पांच किमी दूर है। यह सिलिगुड़ी कॉरिडोर ही भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से जोड़ता है। इसी कारण से भारतीय सैनिकों और चीनी सेना के बीच अक्सर टकराव होता रहता है। साल 2017 में भी टकराव की यही वजह थी जब पीएलए के जवानों को विवादित इलाके में निर्माण कार्य करने से भारतीय सेना ने रोक दिया था। इसके बाद चीन ने इलाके में विशाल सैन्य परिसर बना लिया है।

(विचार–मनन)

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, 'सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं।' दूसरे ने कहा, 'जाओ, कपड़ा ओढ़ लो।' वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, 'कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है।' उसने कहा, 'भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए

कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं।' कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा–बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम –दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या

प्रसंगतः सच्ची प्रार्थना

यूदी धर्माचार्य रबी बर्डिक्टेव किसी शहर में आए। इस बात की खबर चारों तरफ फैल गई। उनका उपदेश सुनने और उनसे मार्गदर्शन लेने के लिए लोग नियमित रूप से आने लगे। लोग तरह-तरह की समस्याएं लेकर आते। रबी उन्हें धैर्यपूर्वक सुनते और कोई न कोई समाधान जरूर बताते। एक दिन एक गरीब गाड़ीवान भी रबी बर्डिक्टेव के पास आया। वह अपने जीवन की एकरसता से काफी परेशान हो गया था। उसे इस बात की चिंता सताती रहती थी कि वह ईश्वरोपासना के लिए समय नहीं निकाल पा रहा है। वह अपना काम छोड़कर प्रभु की भक्ति में अपना समय लगाना चाहता था। उसने रबी से कहा, 'मैं एक गांव से दूसरे गांव गाड़ी हांका करता हूं। यह पेशा मुझे पसंद नहीं, क्योंकि मैं भगवान की प्रार्थना के लिए समय नहीं निकाल पाता। इस बात का मुझे बेहद अफसोस है। मुझे बड़ी ग्लानि होती है। मुझे अब यह पेशा छोड़ देने के अलावा अन्य कोई रास्ता सूझ नहीं रहा है।' यह सुनकर रबी ने पूछा, 'क्या गाड़ी चलाते समय तुम्हारी गरीब बूढ़े यात्रियों से कभी भेंट होती है?' उसने जवाब दिया, 'जी हां, मुझे अक्सर गरीब, दीन-दुखी यात्री मिलते हैं।' फिर रबी का अगला प्रश्न था, 'क्या तुम उन्हें कभी मुफ्त सवारी का अवसर भी देते हो?' गाड़ीवान ने 'हां' कहा। इस पर रबी बोले, 'तब तुम इस पेशे को हरगिज मत छोड़ो। तुम गरीब लोगों को एक जगह से दूसरी जगह मुफ्त में छोड़कर जो पुण्य हासिल कर रहे हो, वह प्रार्थना करने से कभी नहीं मिलेगा। यह काम अगर छोड़ भी दोगे तो इस बात का क्या भरोसा कि तुम्हें दूसरे किसी काम में प्रार्थना के लिए समय मिल ही जाएगा। तुम बुनियादी बात को समझने की कोशिश करो। दीन-दुखियों की सेवा ही भगवान की सच्ची प्रार्थना और भक्ति है। तुम अब से अपने इस काम को प्रभु की प्रार्थना समझकर ही करो। देखो तुम्हारे जीवन में कितना परिवर्तन आता है।' गाड़ीवान उनकी बात समझ गया।

दैनिक पंचांग

12 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	5.33 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	7.31 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.44 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.00 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.12 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.23 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.38 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.54 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.59 बजे से
		कुंभ	00.45 बजे से
		मीन	2.18 बजे से
		मेष	3.49 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2020 वर्ष का 133 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 5.54 बजे प्रात: को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 04.54 बजे प्रात: को समाप्त।
योग शुभ 01.38 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 5.54 बजे तदनन्तर गर 17.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870516
जूलियन दिन 2458981.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

लॉकिंग ज़ोन

नरेश चंद्र, ''मैं बहुत परेशान हूं। मुझे नींद नहीं आती।''

डॉक्टर: ''क्यों नहीं आती?''

नरेश चंद्र, ''यह तो मुझे मालूम नहीं। हर रोज रात के दो बजे तक नींद का इंतजार करता रहता हूं और फिर तंग आकर सो जाता हूं।''

☺ ☺ ☺

घमंडी दोस्त से एक गरीब दोस्त बरसों बाद मिला तो उसने कहा, ''तुमने मुझे नहीं पहचाना?''

अमीर दोस्त ने जवाब दिया, ''मैं गधों को नहीं पहचानता।''

इस पर गरीब दोस्त ने कहा, ''लेकिन मैं पहचानता हूं।''

☺ ☺ ☺

पिता (विक्की से), ''तुम झूठ बोलते हो, तुम रात को बारह बजे तक कैसे पढ़ते रहे, जबकि बिजली रात को आठ बजे से दो बजे तक बंद थी।''

विक्की, ''पिताजी बात यह है कि मैं पढ़ने में इतना व्यस्त था कि मुझे पता ही नहीं चला कि कब बिजली चली गई।''

☺ ☺ ☺

गिन्नी (सोनू से), ''अरे तुमने केले का छिलका रेहड़ी के पास पड़े कूड़ेदान में क्यों नहीं फैंका।''

सोनू, ''यदि मैं छिलका कूड़ेदान में डालता तो रेहड़ी वाला कल इन्हीं छिलकों में केले डाल कर ले आता।''

आज का इतिहास 12 मई

1535 ब्रिटेन और स्काटलैंड में शांति संधि हुई.
1666 शिवाजी पुरंधर संधि के बाद औरंगजेब के सामने पेश होने के लिए आगरा पहुंचे.
1689 ब्रिटेन और हालैंड आसबर्ग लीक के सदस्य बने.
1915 क्रांतिकारी रासबिहारी बोस भारत से गए.
1943 द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मन कमांडर के आत्मसमर्पण के साथ उत्तर अफ्रीका की लड़ाई समाप्त हुई.
1949 सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकेबंदी समाप्त की.
1965 पश्चिम जर्मनी ने इजरायल के साथ राजनायिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की.
1969 मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई.
1991 नेपाली कांग्रेस को नेपाल के पहले बहुदलीय चुनावों में भारी सफलता मिली.
1997 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन और चेचेन नेता अस्लम मस्खादोव में शांति संधि हुई.
1998 केंद्रीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष से 60 वर्ष तक बढ़ाई गई.
1999 प्रसिद्ध मोहिनी अट्टम नृत्यांगना कल्याणी कुट्टीअम्मा का निधन.
2001 पोर्टो रिको की सुंदरी मिस यूनिवर्स बनीं.
2002 नई दिल्ली से पटना जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस जौनपुर के पास पटरी से उतरी,12 मरे व 100 अन्य घायल हुए.

आज का कार्टून।

राजकाज

ट्रेन चलाने का फैसला सही

लॉकडाउन के खत्म होने के दो दिन पहले से रेलवे की ट्रेन चलाने की योजना बिल्कुल सही है। अलग–अलग प्रदेशों में लोग फंसे हैं और घर जाने को आतुर हैं। हालांकि, अभी कुछ श्रमिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं है। आर्थिक बोझ बढ़ रहा है सो अलग। ऐसे में अगर नियमित ट्रेन चलाई जाएगी तो लोग आसानी से घर पहुंच जाएंगे और रेलवे की कुछ कमाई भी हो जाएगी। पिछले 47 दिनों से रेलवे की आय ठप पड़ी है।

टकराव की वजह

भारत और चीन के सैनिकों में टकराव की बड़ी वजह सीमा को लेकर अस्पष्टता है। मैदानी इलाका नहीं है, पहाड़, पहाड़ी, जंगल, पठार वगैरह की वजह से सीमा को लेकर दोनों देशों की अपनी–अपनी समझ है। दोनों पक्ष अपने–अपने इलाके में गश्त करते रहते हैं।

जब कभी संयोग से एक ही वक्त में एक ही जगह पर दोनों पक्ष गश्त के लिए पहुंचते हैं तो टकराव की नौबत आ जाती है। चीन भी भारत पर आरोप लगाता है कि हमारे सैनिक गश्त करते–करते उनके इलाकों में पहुंच जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेल में गिरने के बाद आजम खान की पत्नी हुईं चोटिल

सीतापुर । समाजवादी पार्टी के सांसद मो. आजम खान की पत्नी और रामपुर से विधायक तंजीम फातिमा रविवार को अचानक सीतापुर जेल के बाथरुम में गिर गईं, जिसके चलते उनके कंधे में हेयर लाइन फ्रैक्चर हो गया है। जेल अधीक्षक डीसी मिश्रा ने बताया कि नहाने

के दौरान उन्होंने अपना संतुलन खो दिया। इससे पहले की दर्द की शिकायत हो, उन्हें तुरंत एक्स–रे के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि एक्स–रे में उनके कंधे में हेयर लाइन फ्रैक्चर के होने का खुलासा हुआ जिसके बाद उन्हें प्लास्टर चढ़ाया गया। वह फिलहाल जेल में हैं, जहां जेल कर्मी उनकी अच्छी देखभाल कर रहे हैं। फातिमा, उनके पति और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम इसी साल 28 फरवरी से जेल में बंद हैं। उन पर अब्दुल्ला आजम के जन्म दस्तावेजों में धोखाधड़ी और जालसाज करने के आरोप हैं।

13 नये मिले कोरोना पॉजिटिव

बुलंदशहर । जिले में बीते 24 घंटे के दौरान 13 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद जिले में अब कुल संक्रमित रोगियों की संख्या 74 तक पहुंच गई है जबकि 51 मरीज स्वस्थ होकर अपने घरों को भी चले गए है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केएन तिवारी ने सोमवार को यहां बताया कि रविवार रात प्राप्त टेस्टिंग रिपोर्ट में शिकारपुर कस्बे में एक प.ि रवार के चार तथा एक अन्य में परिवार में दो पॉजिटिव मरीज समेत कस्बे के 12 रोगी पॉजिटिव पाए गए है। इसके अलावा सिकंदराबाद में भी एक मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है यह मरीज डायलेसिस के लिए दिल्ली जाता रहता था। जिले में संक्रमित लोगों की संख्या 74 तक जा पहुंची है। उधर कल देर रात छह मरीजों की दूसरी रिपोर्ट भी निगेटिव आने पर उपचार के बाद स्वस्थ हुए रोगियों की संख्या भी 51 पहुंच गई है।

विवाद में टूटी बाबा साहब की प्रतिमा बदली

सासनी । गांव जसराना में दो दिन पूर्व हुए बवाल के दौरान बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा टूट जाने के बाद प्रषासन ने दूसरी प्रतिमा गांव में पहुंचा दी। जिसे सोमवार को बसपाईयों ने पुनःसाापित करा दिया।

बता दें कि दो दिन पूर्व गांव जसराना में हुए बवाल के दौरान पथराव में बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा टूट गई थी। जिसे बदलवाने के लिए प्रषासन ने गांव में दूसरी प्रतिमा भिजवा दी थी। इस प्रतिमा को बहुजन समाजवादी पार्टी पदाधिकारियां और कार्रकर्ताओं ने पुनः स्थापित करा दिया और गांव में षांति बनाए रखने के लिए लोगों से अपील की। इस दौरान महेष बाबू कुषवाहा, सूरज सिंह, अषोक सिंह, केसी निराला, विजेन्द्र सिंह, बसपा जिलाध्यक्ष बनीसिंह जाटव, राजवीर सेंगर, बीडी सिंह, सलीम खां, आदि मौजूद रहे।

जीवन में स्वास्थ्य का बहुत महत्त्व

हाथरस । जीवन में स्वास्थ्य का बहुत महत्त्व है। किसी भी रोग के निदान के लिए जितनी आवश्यकता दवा की होती है। उतनी ही आवश्यकता देखभाल और तीमारदारी की होती है। परिचारिका या नर्स द्वारा की गई देखभाल मरीज को जल्द ठीक कर देती है। नर्स दिवस परिचारिकाओं का आभार व्यक्त करने का महत्वपूर्ण दिन है जिसे प्रत्येक वर्ष 12 मई को मनाया जाता है।

बागला जिला अस्पताल में तैनात स्टाफ नर्स कविता और सबा फारूक की तैनाती इमरजेंसी में हैं। यह दोनों यहां आने वाले मरीजों, घायलों का उपचार करने में चिकित्सकों की सहायता करतीं हैं। इनके व्यवहार से सभी लोग काफी खुश रहते हैं। वहीं कोरोना वायरस के प्रकोप के दौरान ये स्टाफ नर्सें पूरी तत्परता से अपने कामों में जुटीं हुईं हैं। दोनों युवा नर्सें समाज के लिए एक मिसाल हैं कि कैसे हम अपनी चिंता करे बिना दूसरे की हर संभव मदद कर उनकी जिंदगी बचाने में भागीदारी निभा सकें।

स्टाफ नर्स कविता और सबा फारूक का कहना कि हम इन दिनों लगातार इमरजेंसी में तैनात हैं। इमरजेंसी में ड्यूटी देते हुए मरीजों की देखभाल करना उन्हें काफी अच्छा लगता है। इनका कहना है कि इस कार्य के जरिए समाज सेवा का जो अवसर उन्हें मिला है वह किसी भी अन्य क्षेत्र से कम नहीं हैं। हमें और हमारे परिवार को इस सेवा भाव पर गर्व है।

हर वर्ष 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। नर्सें लोगों को स्वस्थ रहने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। 12 मई का दिन उनके योगदान को समर्पित होता है। पहली बार यह दिवस वर्ष 1965 में मनाया गया था। 1974 में 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की गई। 12 मई को आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म हुआ था। उनके जन्मदिन को ही अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के तौर पर मनाने का फैसला लिया गया। विश्व सहित हमारे भारत देश में भी नर्सें अपनी अहम भूमिका अदा कर रही हैं।

ट्रक पलटने से उस पर सवार दो मजदूरों की मौत, सात घायल

गोरखपुर (ईएमएस)। सहजनवा थानाक्षेत्र के कसरवाल में सोमवार सुबह ट्रक पलटने से उस पर सवार दो मजदूरों की मौत हो गयी जबकि सात अन्य घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख रूपये और घायलों को 50–50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। बताया जाता है कि सभी मजदूर महाराजगंज जिले के रहने वाले हैं। वे हैदराबाद से पैदल ही अपने घरों की ओर आ रहे थे। कानपुर में वे एक बालू से भरे ट्रक पर सवार हो गये जो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। मजदूरों के परिवार वालों को दुर्घटना की सूचना दे दी गयी है। मृतकों में परशुराम (42) और राहुल (22) है। सात घायलों का महाराजगंज जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार चल रहा है।

अपरहण और धमकी के आरोप में बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह गिरफ्तार

जौनपुर । जिले के बहुचर्चित पूर्व सांसद धनंजय सिंह को सोमवार तड़के लाइन बाजार पुलिस ने उनके कालीकुत्ती स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया है। उन पर जल निगम की कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर का अपहरण और धमकी देने का आरोप है। पूर्व सांसद के ऊपर मुकदमा दर्ज करके सोमवार को उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीजेएम अदालत में पेश किया गया। अदालत ने जमानत अर्जी खारिज करते हुए पूर्व सांसद को 14 दिन की न्यायायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलकित इंटरप्राइजेज नामक नई दिल्ली की फर्म जौनपुर नगर में जल निगम की कार्यदायी संस्था के रूप में सीवरेज लाइन का काम कर रही है। इसमें काम करने वाले मुजफ्फरनगर निवासी प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंहल का आरोप है कि रविवार शाम पूर्व सांसद धनंजय सिंह के आदमी विक्रम सिंह के साथ दो व्यक्ति उनकी लाइन बाजार थ. ानांतर्गत पचहटिया स्थित साइट पहुंचे। यहां से एक काली फॉर्च्यूनर गाड़ी में अपहरण कर पूर्व सांसद के आवास कालीकुत्ती मोहल्ले में ले आए। पीड़ित ने बताया कि पूर्व सांसद तरफ से सप्लाई किया जाने वाला बालू खराब गुणवत्ता का है, इसलिए काम मे उपयोग नहीं किया जा सकता। आरोप है कि इसके बाद पूर्व सांसद ने उसे बालू जबरन देने की बात

का दबाव बना कर उनको पिस्टल के बल पर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह वहां से छूटकर भयभीत प्रोजेक्ट मैनेजर ने देर रात लाइन बाजार थाना पहुंच कर तहरीर दी। इसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में लाइन बाजार सहित 12 थाने की भारी पुलिस फोर्स ने सोमवार तड़के उनके आवास पर छापा मारकर आरोपी पूर्व सांसद और उनके सहयोगी विक्रम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाने के बाद उन्हें सोमवार सुबह अदालत में पेश किया गया। जहाँ उनकी जमानत खारिज कर दिया गया। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उधर जेल जाते समय मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने अपने आप को बेकसूर बताया। उन्होंने कहा कि मेरी छवि को धूमिल करने के लिए जौनपुर से विधायक और प्रदेश के राज्यमंत्री और पुलिस अधीक्षक ने षड्यंत्र करके मुझे फर्जी ढंग से फंसाया गया है।

यूपी के कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश, 40 लोगों की मौत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रविवार को तेज आंधी के साथ हुई बारिश से 40 लोगों की मौत हो गई। आसमान में घिरे घने बादलों के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। बड़ी संख्या में पेड़ और बिजली के खम्भे उखड़ गए। लखनऊ में दो लोगों की जान गई है। लखनऊ की फलपट्टी में आम की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने जिलाधि ाकारियों से कहा है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मृतकों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता जल्द दी जाए। इसके साथ ही उन्होंने फसलों के नुकसान के बारे में जानकारी मांगी है। इस बीच मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन पूरे प्रदेश में तेज आंध ी और गरज–चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं। मौसम निदेषक जेपी गुप्त ने बताया कि तीसरे दिन पश्चिमी यूपी में छिटपुट बारिश हो सकती है। कहीं–कहीं ओले भी पड़ सकते हैं। मध्य पाकिस्तान के ऊपर केन्द्रित पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवातीय दबाव की वजह से मौसम में यह बदलाव हुआ है।

जानकारी के मुताबिक आंधी–पानी और आकाषीय बिजली गिरने की घटनाओं में सीतापुर में पांच, कासगंज में चार, बाराबंकी में तीन, बलिया में दो, बागपत में दो, उन्नाव में दो, बहराइच में एक, फतेहपुर में एक, बुलंदशहर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। चित्रकूट में दो लोगों की मौत व दो के घायल होने की खबर हैं। पीलीभीत में एक व्यक्ति की मौत हुई। इसके अलावा मिर्जापुर में एक. कन्नौज में दो. हरदोई में दो, बदायूं में तीन, अमेठी में एक व अलीगढ़ में एक की मौत हुई है। इटावा, ललितपुर, एटा व मैनपुरी में क्रमशः एक–एक व्यक्ति के मरने की सूचना है। राहत आयुक्त ने 40 लोगों के मरने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, बागपत, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, संभल, रामपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, लखीमपुर खीरी, एटा, हाथरस, कासंगज, जालौन, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव,

दलित के बाल खींचने की शिकायत एससीएसटी व मानवाधिकार आयोग से

हाथरस । थाना हसायन क्षेत्र के गांव गिरध ारपुर में गत दिनों एक दलित युवक दीपक को मारते पीटते हुए घर से बाहर ले जाकर दबंगों द्वारा दबंगई दिखाते हुए उसके साथ की गई बुरी तरह से मारपीट व उसके बाल खींच लेने के मामले की अब एससी एसटी आयोग तथा मानवाधिकार आयोग को शिकायत भेजी गई है और पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है।

उल्लेखनीय है कि गांव गिरधरपुर निवासी दलित युवक दीपक के साथ गत दिनों दबंगों द्वारा जहां बुरी तरह से मारपीट की गई थी वहीं उसके सिर के बालों को भी खींच लिया गया था और उक्त घटना की थाना स्तर पर शिकायत दर्ज न होने पर पीड़ित परिवार के लोग बसपा नेता बंटी भैया के नेतृत्व में पुलिस कप्तान से भी मिले थे और कार्यवाही की गुहार लगाई थी।

जबकि इस मामले में पूर्व मंत्री गोरेलाल जाटव एवं रामजीलाल सुमन द्वारा अधिकारियों से बातचीत कर कार्यवाही के लिए कहा था।

लेकिन दीपक अभी कार्यवाही के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। वहीं बसपा के बड़े नेताओं द्वारा उक्त मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में मदद करने हेतु बसपा नेता बंटी भैया को जिम्मेदारी दी है तथा इसी के तहत आज उक्त मामले की शिकायत एससी एसटी आयोग व मानव अधि ाकार आयोग से पीड़ित युवक की भाभी श्रीमती सुनीता देवी पत्नी रनवीर सिंह निवासी ग्राम गिरधरपुर द्वारा की गई है।

और पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है और स्थानीय पुलिस प्रशासन को आदेशित कर उन्हें न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

निर्माणाधीन मकान की दीवार ढहने से युवती की मौत,एक गम्भीर घायल.

अमेठी:जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से दर्दनाक हादसे की ख़बर है। यहां एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से गाँव में हडकंप मच गया।इस घटना में निर्माणाधीन मकान के दीवार के मलबे में दबकर कर एक युवती की मौत हो गयी है।वही और एक युवती गम्भीर घायल है जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।बताया जा रहा है कि रविवार शाम को चली तेज आंधी और बारिश के कारण यह हादसा हुआ है।मिली जानकारी के मुताबिक मुसाफिरखाना कोतवाली के पूरब बेसारा गाँव में बीती देर शाम आधी–तूफान और तेज बारिश के कारण निर्माणाधीन एक मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर दो सगी बहनें गम्भीर घायल हो गई।जानकारी होने पर परिजनों और ग्रामीणों की मदद से दोनो बहनो को मलबे से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले जाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने युवतियों की हालत को गम्भीर देखते हुए सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान एक युवती की मौत हो गई ।वही गम्भीर रूप से घायल दूसरी युवती को इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया है।इस घटना के बाद से ही परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पुरब बेसारा रविन्द्र नाथ मिश्र ने की उक्त मामले की जानकारी स्थानीय लेखपाल व उपजिलाधिकारी को दे गई है ।

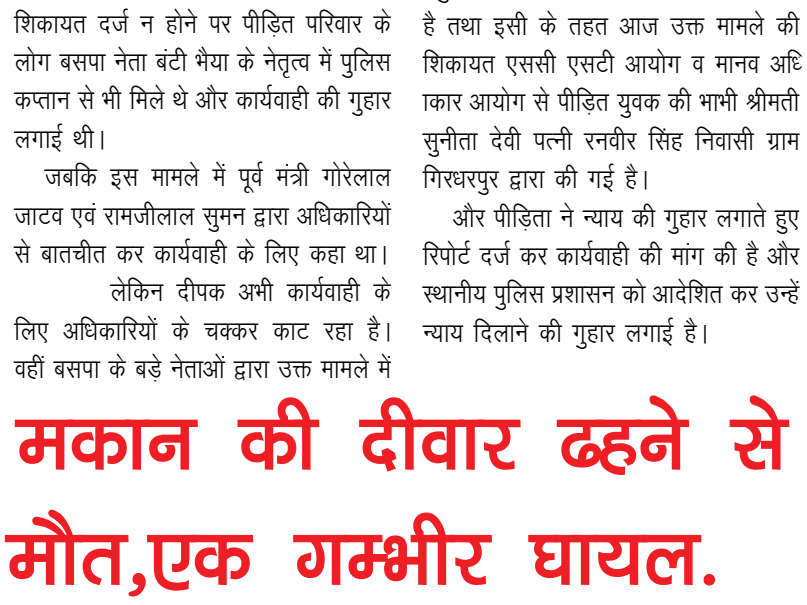

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे में 1 युवक की मौत, दो की हालत गंभीर

नोएडा । नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस वे पर सोमवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) राजेश कुमार सिंह का कहना है कि मूल रूप से दिल्ली के नरेला क्षेत्र के रहने वाले रूपेंद्र, सफीक और सोसन नामक तीन युवक एसेंट कार में सवार होकर आगरा से दिल्ली की तरफ यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते आ रहे थे। थाना रबूपुरा क्षेत्र के रोनीजा अंडरपास के पास आगे चल रहे गेहूं से भरे एक ट्रक से उनकी कार अनियंत्रित होकर जा टकराई। उन्होंने बताया कि इस घटना में कार में सवार सोसन नामक युवक की मौत हो गई, जबकि रूपेंद्र व शफीक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया कराया गया है, जहां दोनों की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो पक्षों में जमकर पथराव फायरिंग आधा दर्जन से अधिक घायल

अलीगढ़ । थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव केशोपुर गडराना में क्रिकेट में हुए विवाद को लेकर दूसरे दिन भी दो पक्षों में चले लाठी–डंडे,जमकर हुआ पथराव, फायरिंग ,दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोगों को आई चोटें , भारी मात्रा में पुलिस फोर्स पहुंचा मौके पर स्थिति को किया नियंत्रण में, मौके से पुलिस ने दोनों पक्षों की घायलों ,युवती , महिलाओं सहित 2 दर्जन से अधिक लोगों को लिया हिरासत में , रविवार को क्रिकेट मैच के दौरान हुआ था विवाद शुरू, दोनों पक्षों में क्रिकेट मैदान में जमकर हुई थी मारपीट, फायरिंग। केशवपुर गडराना में रविवार को क्रिकेट मैच के दौरान मैदान में ठाकुर और जाटव पक्ष के बीच मैच में बैटिंग करने को लेकर विवाद हुआ था ।इस विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने के साथ लाठी–डंडे चले और दोनों पक्षों में पथराव हुआ था। जिसमें पुलिस ने 9 लोगों को नामजद करने के साथ 1 दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजी.त किया था ।जिसमें गिरतारी नहीं हुई थी। सोमवार प्रातः उसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों आमने सामने आ गए और दोनों पक्षों में मारपीट होने के साथ पथराव हुआ है। सूचना पर पुलिस अधिकारी भारी मात्रा में पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और स्थिति को नियंत्रण कर अराजकता फैलाने वाले लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है ।वहीं थानाध्यक्ष क्वार्सी को घटना के संबंध में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

गांव में लगी आग, महिला जिंदा जली, 47 घर राख

चित्रकूट । जिले के राजापुर थानाक्षेत्र में सुरवल गांव के मजरे बेहना पुरवा में रविवार देर रात तेज आंधी के चलते अचानक लगी भीषण आग में फंसकर एक बीमार बुजुर्ग महिला जिंदा जल गई है और 47 घर रख हो गए हैं। राजापुर के पुलिस उपाधीक्षक इश्तेयाक अहमद ने सोमवार को बताया कि थाना क्षेत्र के सुरवल गांव के बेहना पुरवा मजरे में रविवार रात लगी भीषण आग में फंसकर मुस्तफा की बीमार शाहजहां (60) जिंदा जल गई। पहले किसी को उसके आग में फंसे होने की जानकारी नहीं थी, लेकिन आग बुझने के बाद जब ग्रामीणों ने अपने–अपने परिजनों की खोज की, तब पता चला। उन्होंने बताया कि घर के मलबे को हटाने पर महिला का जला हुआ शव बरामद हुआ है। वहीं इस अग्निकांड में 47 कच्चे घर जलकर राख हो चुके हैं और लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

पत्नी ने खाना देने में देर की तो कर दी हत्या

मुरादाबाद । जिले में एक पति ने पत्नी को सिर्फ इसलिए जान से मार दिया क्योंकि वह फोन पर बात कर रही थी और बार–बार खाना मांगने पर भी उसने अनसुना कर दिया। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और के साथ भी शारीरिक संबंध है।

जानकारी के मुताबिक जिले के बिलारी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह यह घटना हुई। पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतारने वाले आरोपी युवक का नाम बालूराम है। वह बिलारी थाना क्षेत्र के प्रजापति वाली गली का रहने वाला है। उसने वर्ष 2011 में बिहार की रहने वाली सीमा नामक युवती के साथ शादी की थी। दोनों के चार बच्चे तनीषा, शिव, रितिका और सौम्या है। बालूराम के मुताबिक पत्नी के अवैध संबंध कुछ लोगों से थे। रोजाना उनसे बात करती थी। इस बाबत उसे कई बार हिदायत भी दी गई, इसके बाद भी वह मान नहीं रही थी। उसने बताया कि घर को जब वह घर लौटा तो पत्नी सीमा मोबाइल पर बात कर रही थी। बार–बार कहने के बाद भी उसने खाना नहीं दिया। डांटने पर सुबह चार बजे तक प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करने की धमकी दे दी। इसके बाद पत्नी सो गई। सुबह तीन बजे उठकर कुल्हाड़ी से वार करके पत्नी सीमा की हत्या कर दी।

भूखे प्यासों को एक वक्त की रोटी तक नहीं दे पा रही सरकारें–अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों को आडे हाथ लेते हुए सोमवार को कहा कि 2022 तक सबको घर देने का वादा करने वाली सरकार भूखे प्यासों को एक वक्त की रोटी तक नहीं दे पा रही है। उन्होंने टवीट किया कि 2022 तक सबको घर देने का वादा करनेवाले सत्ताधारी आज बेघर भटकते भूखे–प्यासे लोगों को एक वक्त की रोटी तक नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह रहा है, सड़कों पर उतरी जनता ने सर्वशक्तिमान होने का दंभ–भ्रम रखनेवाले एक–से–एक बड़ों को पैदल कर दिया है। अपने एक अन्य टवीट में उन्होंने कहा कि कितना मुश्किल होगा उसके आगे का सफर. ..जो मजबूर है सड़कों पर पैदा होने के लिए... कोई है जो सुन रहा है? उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आत्म–प्रशंसा में मदमस्त सरकार अपने अति केंद्रित ढुलमुल फैसलों की वजह से व्यवस्था करने में असफल रही है, उसका खामियाजा जनता भुगत रही है। यदि सरकार रोजगार और खाने का ही प्रबंध कर दे तो कोरोना को सरकार नहीं, जनता हरा दे। उन्होंने कहा कि सरकार एकाधिकारी न बने. देश में लोकतंत्र है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विसनगर में बाजार खुले, पान और चाय की दुकान समेत रेस्टोरंट और मॉल बंद

मेहसाणा । वैश्विक महामारी के चलते समूचा देश लॉकडाउन है और रेड जोन में इसके और भी बढ़ने की संभावना है। तीसरे चरण के लॉकडाउन खत्म होने से पहले मेहसाणा जिले के विसनगर में कुछ शर्तों के साथ बाजार खुलने की मंजूरी दी गई है। हांलाकि पान व चाय की दुकान समेत रेस्टोरन्ट और मॉल इत्यादि को खोलने की इजाजत नहीं है। दरअसल रविवार को विसनगर तहसील सेवा सदन में प्रांत अधिकारी सीसी पटेल की अध्यक्षता बैठक हुई। जिसमें विधायक ऋषिकेश पटेल, डीवायएसपी एमबी व्यास, तहसीलदार बीजे परमार, चीफ ऑफीसर अश्विन

पाठक, तहसील और शहर पीआई मौजूद रहे। बैठक में कोपरसिटी मर्चन्ट एसोसिएशन की ओर से की गई पेशकश पर चर्चा की गई और सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक बाजार खोलने की मंजूरी प्रदान की गई। हांलाकि चाय और पान की दुकान, रेस्टोरन्ट, मॉल इत्यादि खोलने की अनुमति नहीं दी गई। जीआईडीसी स्थित फैक्ट्री और उद्योग खोलने की स्वीकृति दी गई है। चीफ ऑफीसर अश्विन पाठक के मुताबिक सरकार द्वारा प्रतिबंधित न हो ऐसे सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और उद्योग दोपहर 1 बजे तक खोलने की मंजूरी दी गई है। हांलाकि इस दौरान सोशल डिस्टसिंग, मास्क लगाने इत्यादि का सख्ती से पालन करना जरूरी होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर दुकान सील कर दी जाएगी

अहमदाबाद में 268 समेत गुजरात में कोरोना के 347 नए केस, 20 मौत

अहमदाबाद। गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए 347 केस सामने आए हैं। 24 घंटों में 235 लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है, जबकि 20 लोगों की मौत हुई है। प्रमुख स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 268 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं और 19 लोगों की मौत हुई है। अहमदाबाद के अलावा वडोदरा में 29, सूरत में 19, भावनगर में 1, आणंद में 2, भरुच में 3, गांधीनगर में 10, पंचमहल में 4, नर्मदा में 1, मेहसाणा में 2, जामनर में 3, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 1 और जूनागढ़ में एक समेत राज्य के 14 जिलों में कुल 347 केस 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 19 और मेहसाणा में 1 समेत 20 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। पिछले अहमदाबाद समेत राज्य के 11 जिलों में 143 पुरुष और 92 महिलाओं समेत कुल 235 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। अहमदाबाद में 109, आणंद में 7, बोटाद में 2, गांधीनगर में 1, महीसागर में 4, मेहसाणा में 17, पंचमहल में 6, पाटन में 1, राजकोट में 16, सूरत में 65 और वडोदरा में 7 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जयंति रवि ने बताया कि राज्य में अब तक 116471 टेस्ट किए गएद्य जिसमें 107929 नेगेटिव और 8542 लोगों की कोरोना पॉजिटिव आई है

मजदूर हैं मजबूर है

लिखने के लिये तो कुछ शब्द ही नही है,फिर भी मैं कहूंगा मजदूर हैं मजबूर है हम तो प्रवासी मजदूर है क्योंकि हम तो लोकडाउन का पालन करने का मजबूत हैं

सलाबतपुरा में महीना की बच्ची रोने से गुस्से हुआ पिता ने उतारा मोतके घाट, आरोपी पिता को पुलिस ने पकड़ा

सुरत में लोक डाउन होने के कारणवश लोगों की मानसिकता पर असर होने लगा हैं जिसका परिमाण सुरत के सलाबतपुरा क्षेत्र में देखने को मिला एक आठ महीने की बच्ची के रोने की आवज से गुस्साई पिता ने अपने बच्ची को मार डाला जिसके की जानकारी सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन को मिलने पर घटना स्थल पुलिस पहुच कर आरोपी पिता को पकड़ा और आगे की कार्यवही पुलिस कर रही हैं

सचीन जी.आई.डी.सी पुलिस पर पथराव

सुरत सचीन जी.आई.डी.सी.पुलिस स्टेशन क्षेत्र में उन कें भीड़ीबाजार में पुलिस पर पथराव, महिला पीएसई पर सोसायटी के लोगों ने किया हमला सूत्रों के मुताबिक महिला पीएसई ओटो रिक्सा में क्यों गये थे यह एक सवाल?

दक्षिण गुजरात का डांग जिला हुआ कोरोना मुक्त

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना के लगातार बढ़ते केसों के बीच दक्षिण गुजरात से अच्छी खबर है। दक्षिण गुजरात के डांग जिले को कोरोना मुक्त घोषित किया गया है। डांग जिले में तीन मरीजों की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। डांग के कलेक्टर ने जिले को कोरोना मुक्त घोषित कर अग्रिम आयोजन के लिए बैठक की। कोरोना महामारी से जिले मुक्त होने से प्रशासन, डॉक्टर समेत स्थानीय लोग खुश हैं। बता दें कि गुजरात में कोरोना का आंकड़ा

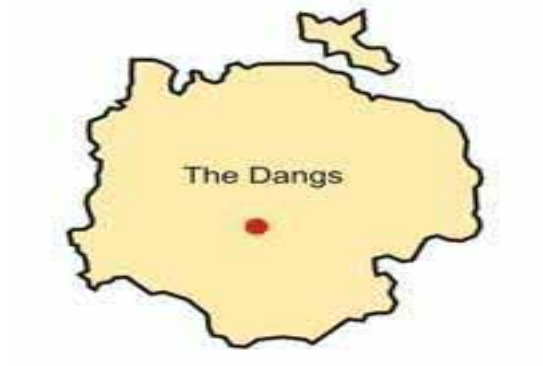

8195 पर पहुंच गया है और इस रोग से अब तक 493 लोग अपनी जांच गंवा चुके हैं। कुल 8195 में से 2545 लोग ठीक भी हो चुके हैं। गुजरात में सबसे अधिक कोरोना के मामले अहमदाबाद में 5818 दर्ज हुए हैंद्य जबकि सूरत में 895 और वडोदरा में कोरोना के अब तक 518 मामले दर्ज हो चुके हैं। कोरोना से सबसे अधिक 381 मौत अहमदाबाद में हुई है और 1373 लोग स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट चुके हैं।

कोरोना से कांग्रेस के दो नेताओं की मौत, अहमद पटेल ने दुःख जताया

अहमदाबाद । गुजरात कांग्रेस के और दो नेताओं की कोरोना से मौत हो गईद्य कांग्रेस नेताओं की मौत पर राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल समेत गुजरात कांग्रेस ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस नगर पार्षद और अहमदाबाद महानगर पालिका के नेता विपक्ष बदरुद्दीन शेख की भी कोरोना से मौत हो चुकी है।

अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में उपचाराधीन शहर कांग्रेस नेता हबीब मेव की रविवार को कोरोना से मौत हो गईद्य महानगर पालिका स्कूल बोर्ड के पूर्व सदस्य के निधन से कांग्रेस ने एक सक्रिय युवा नेता गंवा दिया है। गुजरात यूनिवर्सिटी वेल्फेयर बोर्ड के पूर्व सदस्य, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देनेवाले हबीब मेव की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां रविवार को उनकी मौत हो गईद्य इसके अलावा अहमदाबाद के गोमतीपुर क्षेत्र के कांग्रेस नेता रफीक घांची की भी रविवार को कोरोना से मौत हो गई। हबीब मेव और रफीक घांची पर गुजरात कांग्रेस ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल, गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावडा, विधानसभा के नेता विपक्ष परेश धानाण ी समेत विधायक शैलेष परमार ने दोनों नेताओं को श्रद्धाजंलि दी है।

प्रेम संबंधों के चलते मौसेरे भाई-बहन ने खुदकुशी कर ली

बनासकांठा । जिले के कंसारी गांव में प्रेमी युगल ने आत्महत्या कर ली। मृतक मौसेरे भाई–बहन थे और दोनों का रिश्ता परिवार मंजूर नहीं करेगा, यही सोच अपनी जान दे दीद्य जानकारी के मुताबिक राजस्थान मूल का परिवार बनासकांठा जिले की डीसा तहसील के कंसारी गांव में बटाई पर खेती करता थाद्य परिवार की लड़की समेत युवक के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घटना से सनसनी फैल गईद्य सूचना मिलते ही डीसा ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शवों को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। मृतक युवती और युवक मौसेरे भाई बहन थे और एक–दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन दोनों का रिश्ता परिवार और समाज मंजूर नहीं करेगा, यह सोचकर दोनों ने आत्महत्या कर लीद्य फिलहाल डीसा पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

गुजरात में फंसे प्रवासी मजदूरों ने बवाल किया और बस में तोड़फोड़ की

भावनगर। यूपी जाने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेन के रद्द होने पर गुजरात में फंसे प्रवासी मजदूरों ने बवाल किया और बस में तोड़फोड़ की । ये सभी मजदूर एक डिटर्जेंट पाउडर की फैक्ट्री में काम करते हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना काला तालाव क्षेत्र में स्थित कंपनी के कारखाने के पास श्रमिकों की कॉलोनी में हुई। मजदूर यह जानकार क्रोधित हो उठे कि कंपनी उन्हें लॉकडाउन के दौरान अपने गृह राज्य नहीं जाने देगी जो कि सच नहीं था। पुलिस ने कहा, 'सोमवार की सुबह कुछ मजदूर भावनगर रेलवे स्टेशन से उत्तर प्रदेश के लिए स्पेशल ट्रेन पकड़ने वाले थे। जब उन्हें कर्मचारियों की बस से स्टेशन ले जाया जा रहा था तब कंपनी प्रबंधन को पता चला कि ट्रेन किसी कारणवश रद्द कर दी गई है। इसलिए बस आधे रास्ते से ही श्रमिकों की कॉलोनी में वापस आ गई।' मजदूरों ने सोचा कि कंपनी उन्हें जाने नहीं देना चाहती। वापस आने के बाद मजदूरों ने तोड़–फोड़ की। उन्होंने बस खिड़कियां और शीशे तोड़ डाले। पुलिस ने मामले में एफआई. आर दर्ज की है और 10 मजदूरों को गिरफ्तार करने की प्रकिया जारी है।

बसस्टॉप पर प्रवासी मजदूर अपने गाँव जाने के लिये लोगों की लबीं कतारें

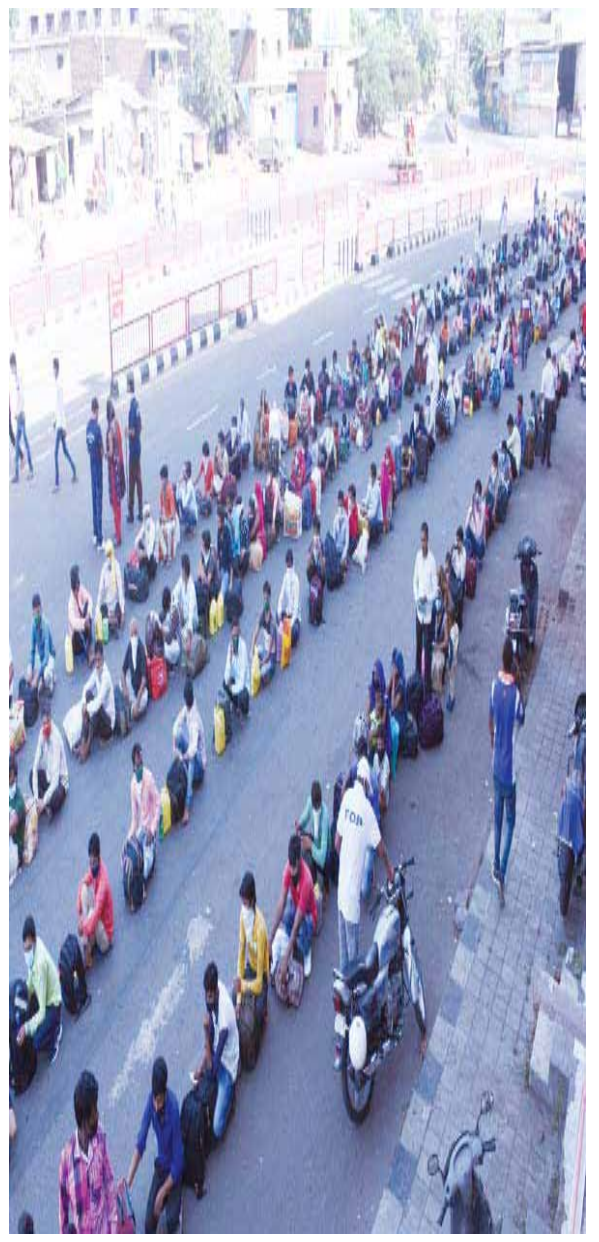

देश का प्रथम स्वदेशी पीपीई कीट सीम सिलींग मशीन लोन्च -सीएम विजय रूपाणी ने वीडियो कोन्फरन्स के जरिये किया लोन्च

राजकोट । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज विडियो कोन्फरन्स के जरिए राजकोट में निर्मित भारत का प्रथम स्वदेशी पीपीई कीट सीम सिलींग मशीन लोन्च किया।

राजकोट कलेक्टर कचहरी में सीएम रूपाण ी ने वीडियो कोन्फरन्स की मदद से भारत का प्रथम स्वदेशी सीम सिलींग मशीन लोन्च किया। कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा कवच पीपीई कीट तैयार करने पर सीएम ने उत्पादनकर्ता, आईएमए ए राजकोट के डॉक्टर्स को इन्वेन्शन के लिए शुभकामना दी। साथ ही उन्होंने कहा कि हाल मेडिकल स्टाफ कोरोना के खिलाफ जंग लड रहा है। उन्हें संपूर्ण सुरक्षित रखना जरूरी है। कलेक्टर कचहरी स्थित होट एयर सिलींग मशीन के बारे में जानकारी जेते हुए मेकपावर सीएनसी के निदेशक रूपेश महेता ने सीएम को बताया कि हाल आ मशीन विदेश से आयात करना पड़ रहा है। हालांकि किंमत अधिक होने और डिलीवरी में 3 से 4 माह का समय लगने पर पीपीई कीट सिलींग के लिए स्वदेशी मशीन का निर्माण करने के लिए आईएमए राजकोट के मार्गदर्शन के तहत कम समय में तैयार किया गया है। चीन और कोरिया के मशीन की अपेक्षा किंमत 50 प्रतिशत कम हैद्य हाल कंपनी द्वारा प्रथम बेच में 200 युनिट तैयार किया जाएगा जिसकी किंमत 4 लाख रूपए होगी। आईएमए राजकोट के कोरोना टास्क फोर्स के डॉ. मयंक ठक्कर ने बताया कि पीपीई कीट के सिलाई के हिस्से को सील करना जरूरी है। अन्यथा इस हिस्से से वायरस के संक्रमण की शक्यता रहती है। कीट 100 प्रतिशत तभी सुरक्षित होगी जब उसे सिलींग किया हुआ हो। इस मशीन से कीट सौ प्रतिशत एयर एवं वोटरप्रूफ होगा। भारत में सबसे पहले गुजरात के राजकोट में होट एयर सीम सिलींग मशीन बनाकर विश्वभर में गुजरात व राजकोट का नाम गुंज उठा है। प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया के विजन को साकार कर रहे मशीन किफायती दाम में सर्विस के साथ कुछ ही समय में उपलब्ध होगा। पीपीई कीट सिलींग मशीन के लोन्च के समय कलेक्टर रेम्या मोहन, आईएमए राजकोट चेप्टर के प्रमुख समेत कंपनी के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश जानेवाली 10 में से 8 ट्रेनें रद्द होने से सूरत के श्रमिकों में आक्रोश

सूरत । लॉकडाउन के चलते रोजगार–धंधे बंद होने से प्रवासी श्रमिकों की हालत दयनीय हो गई और वह किसी भी सूरत में अपने गृह राज्य लौटना चाहते हैं और उनके लिए स्पेशल ट्रेन भी चला जा रही हैं। लेकिन सोमवार को सूरत से उत्तर प्रदेश जानेवाली 10 में से 8 ट्रेनें रद्द किए जाने से प्रवासी श्रमिकों में आक्रोश व्याप्त है। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सूरत, अहमदाबाद, देवभूमि द्वारका, पंचमहल, भावनगर, भुज, नवसारी, बनासकांठा, पाटन और राजकोट कलेक्टर के नाम पत्र लिख श्रमिकों की सूची मंगवाई गई थी।जिसमें प्रवासी श्रमिकों की पर्याप्त जानकारी नहीं होने की वजह से उनके निवासस्थान पहुंचाने में काफी मुश्किल हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि गुजरात सरकार सभी जिलों की विस्तृत सूची तैयार कर भेजे, ताकि श्रमिकों को उनके निवास तक पहुंचाने की प्रक्रिया सरल हो। जब तक नई सूची उपलब्ध नहीं होती तब तक नई ट्रेन को मंजूरी नहीं दी जाएगीद्य 8 ट्रेन रद्द किए जाने से आज यानी सोमवार को सूरत से आजमगढ़ और मऊ के लिए श्रमिकों को लेकर ट्रेन रवाना होगी। उत्तर प्रदेश को छोड़ अन्य राज्यों की ट्रेन निर्धारित समय पर रवाना होंगी। उत्तर प्रदेश के आदेश से सूरत में रहनेवाले यूपी के श्रमिकों में आक्रोश व्याप्त है।

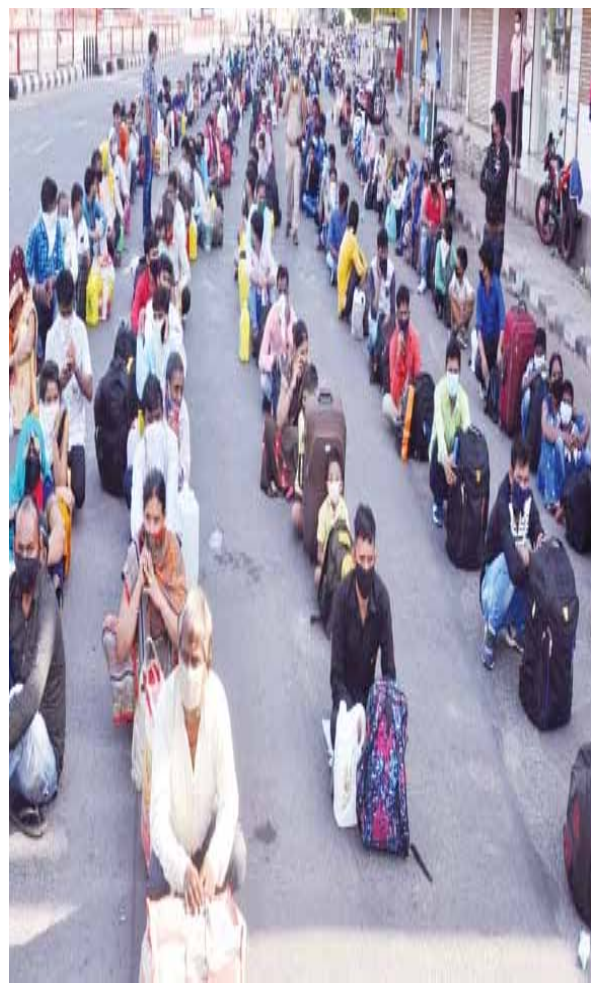

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)